इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

गंगरार, 13 फरवरी (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आईआईटी कानपुर के सहयोग से इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस मौके पर कुलपति ने प्रतिभागियों को उद्बोधित करते हुए कहा कि नवीन तकनीकी से आपने आप को सुसज्जित करते रहना अत्यंत आवश्यक है नही तो आज के इस तकनीकी समृद्ध युग में पिछड़ जायेंगे। उन्होंने कहा कि तकनीकी कई मायनों में इंसानों से बेहतर है, मशीनें यौन अभिनति से कार्य नही करतीं हैं, यहीं गुण उन्हें इंसानों से ज्यादा सक्षम बनता है। उपडीन इंजीनियरिंग कपिल नाहर ने अपने उद्बोधन में इस तरह की कार्यशाला मे बढ़ चढ़ कर भागीदारी का आव्हान किया। वहीं आशीष सैनी ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स के व्यापक अनुप्रयोगों के जीवंत उदाहरणों के साथ इसके उपयोग पर जोर देकर कहा कि आईओटी प्रौद्योगिकी क्षेत्र का भविष्य है। उन्होंने विद्यार्थियों के समक्ष विभिन्न प्रयोगों तथा प्रदर्शनो के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के साथ-साथ आईओटी उपकरणों, प्लेटफार्मों और सेवाओं के उपयोग के जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किये।

कार्यशाला में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, कृषि तथा बेसिक साइंस सहित विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारम्भ डीन इंजीनियरिंग प्रो. डॉ. आर राजा ने स्वागत उद्बोधन से किया। राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन रितेश कुमार ओझा के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। इस आयोजन में संकाय समन्वयक डॉ. जितेंद्र वासवानी, गुलज़ार अली, कोमल यादव, छात्र समन्वयक गोरीपर्थी सेशु, नागार्जुन, जिब्रिल्ला मूसा, हास्के एनोच आदि ने भूमिका निभाई।

थान हिन्दी दैनिक

इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

IIT कानपुर के सहयोग से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तत्वधान में हुआ कार्यक्रम

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़(अमित कुमार चेचानी)। आईआईटी कानपुर के सहयोग से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का सुभारम्भ डीन इंजीनियरिंग प्रो. (डॉ.) आर. राजा ने आपने स्वागत उद्बोधन से किया । इसके पश्चात् माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) अलोक मिश्रा ने आशीष सैनी का स्वागत मेवाड़ी पगड़ी पहना कर किया । माननीय कुलपति ने प्रतिभागियों को उद्बोधित करते हुए कहा कि नवीन तकनीकी से आपने आप को सुसज्जित करते रहना अत्यंत आवश्यक है नही तो आज के इस तकनीकी समृद्ध युग में पिछड़ जायेंगे । उन्होंने कहा कि तकनीकी कई मायनों में इंसानों से बेहतर हैं, मशीनें यौन अभिनति से कार्य नही करतीं हैं यहीं गुण उन्हें इंसानों से ज्यादा सक्षम बनता है। उप-डीन इंजीनियरिंग श्री कपिल नाहर ने आपने उद्बोधन में इस तरह के कार्यशाला का आयोजन एवं उसमे बढ़- चढ़ कर भागेदारी पर जोर देने को कहा ।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को बृश्रज्ञ प्रौद्योगिकी की नवीनतम प्रगति और अनुप्रयोगों पर शिक्षित करना था। आशीष सैनी (डेटा वैज्ञानिक) ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स के व्यापक अनुप्रयोगों के जीवंत उदाहरणों के साथ इसके उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि आईओटी प्रौद्योगिकी

क्षेत्र का भविष्य है। उन्होंने विद्यार्थियों के समक्ष विभिन्न प्रयोगों तथा प्रदर्शनो के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के साथ-साथ ब्रूह्ज्ञ उपकरणों, प्लेटफार्मों और सेवाओं का उपयोग का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किये। इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर वर्कशॉप एक व्यापक और संवादात्मक घटना थी, जिसने प्रतिभागियों को इंटरनेट ऑफ थिंग्स तकनीक और इसके अनुप्रयोगों की ठोस समझ प्रदान की। उद्योग विशेषज्ञ द्वारा प्रदान किए गए व्यावहारिक अनुभव और वास्तविक दुनिया के उदाहरणों ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक कौशल और ज्ञान विकसित करने में मदद की, जिसे वे अपने संबंधित क्षेत्रों में लागू कर सकते हैं। कार्यशाला में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, कृषि तथा बेसिक साइंस आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वय रितेश कुमार ओझा, सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग द्वारा डीन इंजीनियरिंग प्रो. (डॉ.) आर. राजा के मार्गदर्शन में किया गया था। राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन रितेश कुमार ओझा, सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) अलोक मिश्रा सर, डीन एकेडमिक्स प्रो. डी. के. शर्मा, उप-डीन इंजीनियरिंग श्री कपिल नाहर के अनुमोदन और समर्थन के कारण ही यह आयोजन संभव हो पाया। इस आयोजन में संकाय समन्वयक डॉ. जितेंद्र वासवानी, गुलज़ार अली, सुश्री कोमल यादव और छात्र समन्वयक गोरीपर्थी सेशु नागार्जुन, जिब्रिल्ला मूसा, हास्के एनोच, इशियाकु हारुना सजोह, राफेल अयूबा, केशव और आयुष छात्र समन्वयकों द्वारा अतुलनीय भूमिका निभाई गई।

कई मायनों में इंसान से बेहतर है नवीन तकनीक

मेवाड़ विश्व विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में कार्यशाला हुई

चित्तौड़गढ@ पत्रिकार .. मेवाड़ विश्वविद्यालय में आईआईटी कानपुर के सहयोग से इंटरनेट ऑफ थिंग्स विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कुलपति अलोक मिश्रा ने कहा कि नवीन तकनीक से आपने आप को सुसज्जित करते रहना आवश्यक है अन्यथा तकनीकी समृद्ध युग में पिछड़ जाएंगे। तकनीकी कई मायनों में इंसान से बेहतर है। उप डीन इंजीनियरिंग कपिल नाहर ने इस तरह की कार्यशाला में बढ-चढकर हिस्सा लेने की आवश्यकता बताई। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रौद्योगिकी की नवीनतम प्रगति और अनुप्रयोगों पर शिक्षित करना था। आशीष सैनी ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स के व्यापक अनुप्रयोगों के जीवंत उदाहरणों के साथ इसके उपयोग पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, कृषि तथा बेसिक साइंस सहित विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया।